श्री डूंगरगढ़ टाइम्स

सच की ताकत, खबरों के साथ

9414917401 ♦ सोमवार ♦ 23 नवम्बर, 2026 ♦ Email : sridungargartimes@gmail.com ♦ अंक - 923

बाना में जनप्रतिनिधियों का सम्मान समारोह आयोजित, साफा और माला पहनाकर किया अभिनंदन

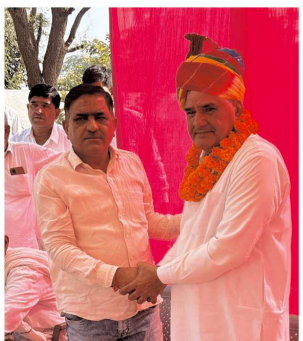







श्रीडूंगरगढ़ टाइम्स 23 नवंबर 2026। गांव बाना में रविवार को गोपालाराम बीरमाराम के आवास पर सम्मान समारोह आयोजित किया गया। जिसमें जैसलसर सरपंच चांदराम चाहर, बाधनू सरपंच प्रत्याशी नवरत्न घिंटाला एवं बाना सरपंच प्रत्याशी मांगीलाल बाना का सम्मान किया गया। इस अवसर पर ग्रामीणों ने तीनों का साफा एवं माला पहनाकर अभिनंदन किया गया। सम्मान समारोह में पूर्व सरपंच ओमप्रकाश बाना, कांग्रेस कमेटी श्रीडूंगरगढ़ के प्रवक्ता हरिराम बाना, पूर्व सरपंच अमरचंद मेघवाल, भाजपा नेता श्रवण बाना, सतू बाना मास्टर, भंवरलाल बाना मास्टर, खेमाराम बाना, रामचंद्र बाना, पूरबाराम बाना, दुलनाथ सिद्ध, बीरबलनाथ बाना, बनानाथ सिद्ध, राजूराम बाना, सुखराम बाना, तुलछाराम बाना, मूलाराम बाना, रामेश्वर बाना, देवीलाल बाना एवं मुकेश बाबू सहित अनेक ग्रामीण उपस्थित रहे। बाना परिवार की ओर से उदाराम बाना, राम बाना, तेजाराम बाना, सोहनलाल बाना, हरलाल बाना, गोरधन बाना, सुखदेव बाना, मनोज बाना, मुखराम बाना, जगराम बाना, गिरधारी बाना, धनपत बाना, रामनिवास बाना एवं शिशपाल बाना ने आयोजन में सहभागिता निभाई। समारोह में ग्रामीणों ने आपसी सौहार्द के साथ अतिथियों का स्वागत किया।

गांव की बिजली समस्याओं के समाधान की मांग, जीएसएस पर एकत्र हुए ग्रामीण, घायल संविदाकर्मी पीबीएम में भर्ती



श्रीडूंगरगढ़ टाइम्स 23 नवंबर 2026। क्षेत्र के गांव अभयसिंहपुरा की बिजली समस्याओं को लेकर रविवार सुबह ग्रामीण जीएसएस पर एकत्र हुए। ग्रामीण बिजली विभाग के अधिकारियों के खिलाफ नाराजगी जताते हुए दो दिन से गांव में बिजली नहीं होने की बात कही। यहां मौके पर चुन्नीलाल जाखड़, संतोषनाथ सिद्ध, कृष्ण जाखड़, किरण कुमार जाखड़, चंद्रप्रकाश जाखड़, सुरेंद्र जाखड़, रामूराम जाखड़, डालूनाथ सिद्ध, किशननाथ सिद्ध, बीरबल गोदारा, राजूराम नायक, धनराज साहू, कुसलाराम जाखड़, जीवराज सोनी, रामचंद्र जाखड़, नेमीचंद खाती, मुन्नीराम नायक, राकेश सिद्ध, बाबूलाल जाखड़, सुनील जाखड़, संतोष सोनी सहित अनेक युवा एकत्र हुए है। ग्रामीण लापरवाही के कारण संविदाकर्मी के घायल होने के बाद भी विभागीय अधिकारी के मौके पर नहीं पहुंचने का विरोध जताते हुए समस्याओं के समाधान करने सुनवाई करने की मांग की।

घायल संविदाकर्मी पीबीएम में भर्ती

श्रीडूंगरगढ़ टाइम्स। शनिवार शाम को अभयसिंहपुरा व बिग्गा के बीच 11 हजार की लाइन पर कार्यरत संविदाकर्मी अनिल कुमार विभागीय लापरवाही से करंट की चपेट में आ गया। अनिल कुमार को पीबीएम अस्पताल में भर्ती करवाया गया। पीबीएम से परिजनों द्वारा प्राप्त ताजा जानकारी के अनुसार अनिल कुमार वेंटिलेटर पर है और उसकी स्थिति में निरंतर सुधार है।

भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में राजस्थान दिवस पर सांस्कृतिक संध्या का आयोजन

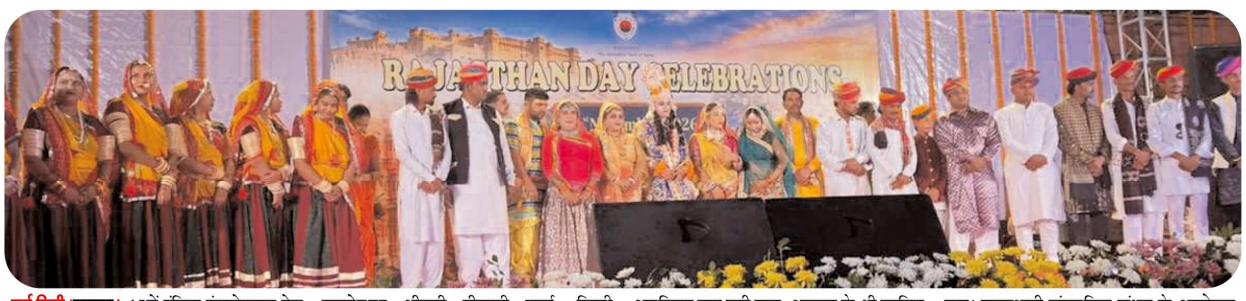

नई दिल्ली/जयपुर। 45वें इंडिया इंटरनेशनल ट्रेड फेयर (IITF-2026) के अंतर्गत आज प्रगति मैदान में राजस्थान दिवस के अवसर पर भव्य सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। राजस्थान पर्यटन विभाग की ओर से आयोजित इस सांस्कृतिक संध्या में प्रदेश की समृद्ध लोक संस्कृति, पारंपरिक संगीत, लोक नृत्य एवं कलात्मक विरासत की मनमोहक झलक देखने को मिली। कार्यक्रम का शुभारंभ श्री रोहित कुमार, मुख्य आवासीय आयुक्त के मुख्य आतिथ्य में राजस्थान पवेलियन के निर्देशक श्री हर्ष शर्मा और पर्यटन विभाग की डिप्टी डायरेक्टर श्रीमती दीपाली शर्मा, डिप्टी डायरेक्टर आईटी, श्री छत्रपाल यादव और टूरिस्ट ऑफिसर श्री मनोज शर्मा ने दीप प्रज्वलित करके किया। लोक नृत्यों एवं पारंपरिक संगीत से सजी सांस्कृतिक संध्या। भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में आयोजित राजस्थान दिवस की सांस्कृतिक संध्या की शुरुआत गणेश वंदना एवं चरकुला नृत्य की प्रस्तुति से हुआ, जिसे डीग के श्री मन्नू शर्मा ने प्रस्तुत किया। इसके पश्चात जैसलमेर के श्री हयात खां लंगा द्वारा खड़ताल वादन एवं गायन की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में किशनगढ़ की सुश्री अरुशिका द्वारा चरी नृत्य, अलवर के श्री जाकिर खान मेवाती द्वारा भपंग वादन तथा नई दिल्ली के श्री सुरेश व्यास द्वारा भवाई नृत्य प्रस्तुत किया। इसी क्रम में अजमेर की सुश्री रिया कंवर द्वारा घूमर नृत्य, चूरू के श्री गोपाल गिला द्वारा चंग ढप नृत्य तथा बाड़मेर के श्री गजेंद्र बानिया द्वारा गैर नृत्य की प्रस्तुति दी गई। सांस्कृतिक कार्यक्रम में जोधपुर के श्री सोहन द्वारा प्रसिद्ध कालबेलिया नृत्य तथा डीग के श्री विष्णु शर्मा द्वारा मयूर नृत्य एवं फूलों की नृत्य प्रस्तुति देकर दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम का संचालन दौसा के श्री अशोक शर्मा द्वारा किया गया। राजस्थानी संस्कृतिक संध्या के आयोजन पर मुख्य आवासीय श्री रोहित कुमार ने कहा कि इस सांस्कृतिक आयोजन के माध्यम से देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों, व्यापारियों एवं आगंतुकों को राजस्थान की विविधतापूर्ण लोक संस्कृति, पारंपरिक कलाओं, संगीत एवं नृत्य शैलियों से रूबरू होने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि यह आयोजन राजस्थान की गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रदर्शित करने के साथ ही प्रदेश के पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

27 नवंबर को होगा श्रीडूंगरगढ़ व रीड़ी प्रधान का चुनाव, बहुमत हासिल करने वाले को मिलेगी प्रधानी

श्रीडूंगरगढ़ टाइम्स 23 नवंबर 2026। पंचायत समिति सदस्यों के परिणाम सामने आने के बाद विजयी प्रत्याशियों के बीच प्रधानी की दावेदारी और दौड़ शुरू हो गई है। रीड़ी पंचायत समिति में कांग्रेस को स्पष्ट बहुमत के रूप में 9 सीटें मिली है। यहां भाजपा व रालोपा को 3-3 सीटें मिली है और माकपा ने 2 सीटें ली है। वहीं श्रीडूंगरगढ़ पंचायत समिति में भाजपा के पास 6 और कांग्रेस के पास 8 सीटें है। यहां रालोपा ने 4 और माकपा ने 1 सीट ली है।

बहुमत हासिल करने वाले सदस्य को मिलेगी प्रधानी

श्रीडूंगरगढ़ टाइम्स। दोनों ही पंचायत समिति में प्रधानी के लिए पर्चा दाखिल करने वाले सदस्य को केवल अधिक वोट लेकर बहुमत हासिल करना होगा। मतदान में अधिक वोट लेने वाला प्रधान बनेगा। मान लीजिए श्रीडूंगरगढ़ पंचायत समिति चुनाव में कोई तीन सदस्यों ने सरपंचाई के लिए पर्चा भरा और दो सदस्यों ने 6-6 वोट लिए और एक सदस्य ने 7 वोट लिए तो 7 वोट लेने वाला सदस्य प्रधान बनेगा। वहीं यहां नगरपालिका की तरह बाहरी प्रधान नहीं बन सकता। अर्थात जो सदस्य चुनाव जीतकर आए है उनमें से ही एक प्रधान बनेगा।

27 नवंबर को होगा प्रधान का चुनाव

श्रीडूंगरगढ़ टाइम्स। आगामी शुक्रवार, 27 नवंबर को प्रधान के चुनाव की प्रक्रिया संपन्न होगी। पंचायत समिति सदस्यों की बैठक 27 की सुबह 10 बजे शुरू होगी। प्रधान के लिए सुबह 11 बजे तक पर्चा भरा जाएगा। पर्चों की जांच 11.30 बजे तक की जाएगी। नाम वापसी का समय दोपहर 1 बजे तक होगा। वहीं चुनाव लड़ने वाले अभ्यर्थियों की सूची तैयार कर चुनाव चिह्न आवंटन का कार्य दोपहर 1 बजे के तुरंत बाद किया जाएगा। मतदान का समय दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक होगा। मतदान समाप्ति के तुरंत बाद मतगणना होगी और मतगणना समाप्त होने के साथ ही परिणाम की घोषणा होगी। वहीं 28 नवंबर को उपप्रधान का चुनाव किया जाएगा।

भाजपा-आरएसएस को नहीं है भारतीय आध्यात्मिक, धार्मिक परंपराओं की समझ - राहुल



कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर सीधा हमला करते कहा है कि इन दोनों संगठनों को भारतीय आध्यात्मिक और धार्मिक परंपराओं की समझ नहीं है। श्री गांधी ने रविवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि भारतीय आध्यात्मिक और धार्मिक परंपराओं में वह जितनी गहराई से जा रहे हैं, उन्हें यह बात उतनी ही स्पष्ट होती जा रही है। भाजपा आरएसएस को असभ्य, लालची, जातिवादी और पुरुषवादी बताते हुए उन्होंने कहा कि वह जिस गहराई के साथ भारतीय आध्यात्मिक और धार्मिक परंपरा का अध्ययन कर रहे हैं उससे उन्हें स्पष्ट हो गया है कि भाजपा-आरएसएस को इसकी समझ नहीं है। उन्होंने कहा कि भाजपा और आरएसएस के लोगों को हमारी आध्यात्मिक और धार्मिक परंपराओं की बिल्कुल समझ नहीं है।

भारत-नीदरलैंड रणनीतिक साझेदारी में सेमीकंडक्टर, रक्षा और नवीकरणीय ऊर्जा पर चर्चा

भारत और नीदरलैंड अपने रणनीतिक संबंधों को जल, कृषि और स्वास्थ्य जैसे पारंपरिक क्षेत्रों से आगे बढ़ाकर सेमीकंडक्टर, रक्षा, प्रौद्योगिकी और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे नए क्षेत्रों में विस्तार देने के उपायों पर चर्चा कर रहे हैं। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने रविवार को नीदरलैंड के विदेश मंत्री टॉम बेरेंडसन के साथ यहां द्विपक्षीय बैठक के दौरान प्रारंभिक वक्तव्य में यह बात कही। श्री जयशंकर ने भारत आए बेरेंडसन और उनके प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच इस साल यह छठी बैठक है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की पिछली यात्रा के बाद द्विपक्षीय संबंधों में हुई प्रगति की समीक्षा और भविष्य की दिशा तय करना इस बैठक का अहम उद्देश्य है। विदेश मंत्री ने कहा कि भारत और नीदरलैंड ने अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी का दर्जा दिया है और इसके लिए तैयार रोडमैप दोनों देशों को आगे बढ़ने का रास्ता देता है। पहले दोनों देशों की साझेदारी मुख्य रूप से जल क्षेत्र पर केंद्रित थी, लेकिन अब इसका दायरा कई अन्य क्षेत्रों तक बढ़ गया है। विदेश मंत्री ने कहा कि अगले साल दोनों देशों के राजनयिक संबंधों की स्थापना के 80 साल पूरे होंगे। इस अवसर को उचित तरीके से मनाने के तरीकों पर भी बैठक में चर्चा होगी। उन्होंने भारतीय प्रवासियों की देखभाल के लिए नीदरलैंड का आभार जताया। श्री जयशंकर ने कहा कि भारतीय प्रवासी और हिंदुस्तानी सूरीनामी समुदाय दोनों देशों के बीच एक जीवंत पुल का काम करते हैं। भारत और यूरोपीय संघ के संबंधों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि पिछले दो वर्षों में दोनों के बीच काफी प्रगति हुई है। इसमें मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए), सुरक्षा और रक्षा साझेदारी तथा अन्य समझ शामिल हैं। भारत एफटीए को लागू करने की प्रक्रिया शुरू होने का इंतजार कर रहा है। श्री जयशंकर ने कहा कि बैठक में यूक्रेन संघर्ष, काला सागर की स्थिति और खाड़ी क्षेत्र के संघर्ष के प्रभावों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया जाएगा। इसके अलावा हिंद-प्रशांत क्षेत्र की स्थिति, आतंकवाद और जलवायु परिवर्तन जैसी साझा चुनौतियों पर भी चर्चा होगी। उन्होंने कहा कि भारत और नीदरलैंड के बीच रणनीतिक साझेदारी की समीक्षा के लिए पहली बार आयोजित संवाद तंत्र की सह-अध्यक्षता करना उनके लिए खुशी की बात है।



रिकॉर्ड बनाने से ज्यादा टीम के लिए प्रभावशाली प्रदर्शन करने पर ध्यान - पंत



भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने रविवार को कहा कि अपने करियर के इस पड़ाव पर वह रिकॉर्ड बनाने के बजाय निरंतरता बनाए रखने और टीम के लिए प्रभावशाली प्रदर्शन करने पर अधिक ध्यान देना चाहते हैं। पंत न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले मैच में अपनी शतकीय पारी के दौरान टेस्ट क्रिकेट में दूसरे सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन गए। उन्होंने इस मामले में ब्रेंडन मैकुलम के 107 छक्कों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। भारत और न्यूजीलैंड के बीच यहां खेले जा रहे पहले टेस्ट के चौथे दिन का खेल समाप्त होने के बाद पंत ने कहा, बचपन में निश्चित रूप से मेरे ऐसे लक्ष्य हुआ करते थे कि खूब छक्के लगाने हैं। लेकिन अब अपने करियर में मैं इस बारे में नहीं सोचता। मैं बस अपने प्रदर्शन में अधिक निरंतरता लाना चाहता हूं और जहां भी खेलूं, टीम के लिए प्रभाव छोड़ना चाहता हूं। पंत ने 153 गेंदों में 128 रन की पारी के दौरान एक और उपलब्धि हासिल की। वह दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया (सेना) के चारों देशों में टेस्ट शतक लगाने वाले पहले भारतीय विकेटकीपर बन गए। टेस्ट सीरीज से पहले फिटनेस संबंधी परेशानियों से उबरने के बाद वह देर से टीम के साथ जुड़े थे। ऐसे में जहां टीम के अधिकांश खिलाड़ियों को देश में रहकर और अभ्यास करके वहां की परिस्थितियों के अनुकूल ढलने का समय मिला, वहीं पंत को यह मौका नहीं मिल सका। पंत ने कहा, मुझे लगता है कि यह निश्चित रूप से अच्छी पारी थी। न्यूजीलैंड एक ऐसी जगह है जहां मैं शतक बनाने का इंतजार कर रहा था। मैंने यह सुनिश्चित किया कि ऐसी पिच पर, जहां आपको टिककर बल्लेबाजी करनी पड़ती है और सभी बल्लेबाज अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, मैं ज्यादा से ज्यादा समय तक क्रीज पर रहूं और अपना प्रभाव छोड़ूं। उन्होंने छक्के के साथ शतक पूरा करने के बारे में कहा, जब भी मैं शतक बनाने की कोशिश करता हूं, तो आमतौर पर उसे छक्के के साथ पूरा करना चाहता हूं। इस वजह से मैंने कई शतक गंवाए भी हैं। इसलिए इस बार मैं इंतजार कर रहा था और काफी धैर्य से खेल रहा था। लेकिन जब मिड-ऑफ का क्षेत्ररक्षक आगे आया, तो मुझे लगा कि यह सही मौका है और मैं इसे आजमा सकता हूं। विकेटकीपिंग के दौरान भी पंत अपने चिर-परिचित चंचल अंदाज में नजर आए। उन्होंने कहा, मेरी एक खासियत यह है कि जब भी मैं मैदान पर उतरता हूं, चाहे क्षेत्ररक्षण कर रहा हूं या बल्लेबाजी, मैं खूब आनंद लेना चाहता हूं। खासकर मैदान पर रहना ही मुझे खुशी देता है। मैं मैदान पर बिताए हर दिन का आनंद लेना चाहता हूं। भारत के नौ विकेट पर 720 रन बनाकर पारी घोषित करने के बाद पंत ने कहा कि बल्लेबाजी के लिए पिच अच्छी थी। उन्होंने कहा, आपको मैदान पर टिककर खेलने का आनंद लेना चाहिए, क्योंकि हर दिन आपको तेज गेंदबाजों के अनुकूल पिच नहीं मिलेगी। आपको संघर्ष करना पड़ता है, खासकर टेस्ट क्रिकेट में। उन्होंने कहा, एक टीम के रूप में हम मैदान पर लगातार बातचीत करते रहते हैं, छोटे-छोटे पलों का आनंद लेते हैं, मस्ती करते हैं और हर दिन अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करते हैं। मैदान पर रहना और इन चीजों का आनंद लेना हमारे लिए अहम है। पंत ने कहा कि भारतीय टीम को पांचवें दिन न्यूजीलैंड के बाकी आठ विकेट हासिल करने का पूरा भरोसा होगा।

एफबीआई डेटाबेस हैक होने की घटना से कुछ नई बातें जानने का मिल सकता है मौका - ट्रंप

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) के राष्ट्रीय अपराध सूचना केंद्र (एनसीआईसी) डेटाबेस पर संदिग्ध साइबर हमले को अच्छा नहीं माना है, लेकिन साथ ही कहा है कि इससे 2016 की रूस जांच और चुनावी धांधली जैसे मुद्दों पर कुछ नई बातें जानने का मौका मिल सकता है। क साक्षात्कार के दौरान जब श्री ट्रंप से सीएनएन की उस रिपोर्ट के बारे में पूछा गया, जिसमें कहा गया था क एफबीआई का एनसीआईसी हैक हो गया है, तो उन्होंने कहा, ÷मैं हमेशा चीजों को सकारात्मक नजरिए से देखना पसंद करता हूं। उल्लेखनीय है कि एनसीआईसी एक ऐसा देशव्यापी डेटाबेस है, जिसका इस्तेमाल संघीय, राज्य और स्थानीय कानून प्रवर्तन एजेंसियां आपराधिक न्याय से जुड़ी जानकारी साझा करने के लिए करती हैं। श्री ट्रंप ने डेटाबेस हैक होने की इस खबर की पुष्टि नहीं की। उन्होंने इसके बजाय मतदान में धांधली और उन घटनाओं का जिक्र किया जिन्हें वे रूस से जुड़ा धोखा और यूक्रेन से जुड़ा धोखा कहते हैं। श्री ट्रंप ने कहा, एक तो वह रूस, रूस, रूस वाला धोखा था और भी कई ऐसे धोखे हुए हैं। हम इसे यूक्रेन, यूक्रेन, यूक्रेन वाला धोखा कहते हैं... जबकि वह एक परफेक्ट फोन कॉल था, जैसा कि मैं हमेशा कहता हूं। श्री ट्रंप 2019 में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ हुई अपनी फोन बातचीत का जिक्र कर रहे थे, जिसमें उन्होंने श्री जेलेंस्की पर तत्कालीन पूर्व उपराष्ट्रपति जो बाइडेन (जो उस समय राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार थे) के खिलाफ जांच करने का दबाव डाला था। श्री ट्रंप ने कहा, ÷ऐसी और भी कई चीजें हैं। शायद हमें उनके बारे में भी पता चल जाए। हो सकता है कि हमें मतदान में धांधली के बारे में पता चले, वह मतदान धांधली जो हुई थी।डेटाबेस हैक होने की यह खबर ऐसे समय में आई है जब पिछले एक सप्ताह में अमेरिका में कई तकनीकी गड़बड़ियां देखने को मिली हैं, जिनका असर विमानन, बैंकिंग, ई-मेल सेवाओं और अन्य प्लेटफॉर्म पर पड़ा है।इन गड़बड़ियों की शुरुआत पिछले सप्ताह माइक्रोसॉफ्ट की सेवाओं में आई वैश्विक रुकावट से हुई, जिससे आउटलुक और टीम्स जैसे प्लेटफॉर्म प्रभावित हुए। इसके एक दिन बाद संघीय विमानन प्रशासन (एफएए) ने दूरसंचार संबंधी समस्याओं के कारण पूरे देश में विमानों की उड़ानें रोक दीं। यह रोक चार घंटे से भी ज्यादा समय तक चली, जिसके कारण आने वाले दिनों में हजारों उड़ानें या तो देरी से चलीं या रद्द कर दी गईं। इसके अगले सप्ताह, चेस, बैंक ऑफ अमेरिका और वेल्स फार्गो जैसे कई बड़े बैंकों के ग्राहकों ने भी अपने खातों तक पहुंचने में दिक्कतें आने की शिकायत की। इन रुकावटों के कारण साइबर हमलों की अटकलें तेज हो गईं लेकिन गृह सुरक्षा सचिव मार्कवेन मुलिन समेत ट्रम्प प्रशासन के अधिकारियों ने बार-बार यही कहा कि इन घटनाओं का साइबर हमलों से कोई लेना-देना नहीं है।साइबर अपराध को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच न्याय विभाग और गृह सुरक्षा सचिव विभाग ने साइबर खतरों से निपटने के लिए एक नया %साइबर अपराध समन्वय केंद्र% बनाने की घोषणा की। ये घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आए हैं, जब श्री ट्रंप ने राष्ट्रीय साइबर निदेशक जॉन केर्नक्रॉस को उनके पद से हटा दिया है। श्री केर्नक्रॉस के जाने के बाद गुरुवार को व्हाइट हाउस ने पेंटागन की मुख्य सूचना अधिकारी कर्स्टन डेविस को राष्ट्रीय साइबर कोषांग के कार्यकारी प्रमुख के रूप में नियुक्त किया।

राजस्थान पंचायत चुनाव के नतीजों से भाजपा का प्लान गड़बड़ाया, अब सत्ता-संगठन में

जयपुर. पंचायत से पार्लियामेंट तक चुनावी तालमेल और लगातार जीत का भाजपा का प्लान पंचायत चुनाव के नतीजों के साथ गड़बड़ा गया है। अब चर्चा केवल मंत्रिमंडल में फेरबदल या मंत्रियों के विभाग बदलने तक सीमित नहीं है, बल्कि सत्ता और संगठन में बड़े स्तर पर सर्जरी की संभावित तैयारी तक पहुंच गई है। सूत्रों के मुताबिक, अब मंत्रियों, विधायकों, चुनाव प्रभारियों और संगठन के पदाधिकारियों का रिपोर्ट कार्ड तैयार होगा। उसके बाद कमजोर मंत्रियों की छुट्टी, नए चेहरों को मौका देने और विभागों में फेरबदल पर विचार होगा। राजनीतिक नियुक्तियों को लेकर भी गंभीरता से मंथन होने की उम्मीद है। निष्क्रिय पदाधिकारियों की छंटनी की तैयारी है। गौरतलब है कि पिछले दिनों जयपुर में हुई सभा में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने कहा था कि- %पंचायत से पार्लियामेंट तक भगवा लहराना है और आगामी चुनावों में भाजपा को जीत दिलानी है। अमित शाह के प्रस्तावित दौरे से पहले फूली सांसें संविधान दिवस पर 26 नवंबर को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के जयपुर आने का कार्यक्रम प्रस्तावित है। हालांकि, दौरा अंतिम रूप से तय नहीं हुआ है, लेकिन पंचायत चुनाव के नतीजों और प्रदेश भाजपा के संगठनात्मक हालात को लेकर समीक्षा की चर्चाएं तेज हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के प्रस्तावित दौरे से पहले सत्ता और संगठन में सभी की सांसें फूली हैं। पंचायतीराज चुनाव के नतीजे = भाजपा की हालत पस्त पंचायतीराज चुनावों के नतीजों के अनुसार 37 जिलों में जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्यों के परिणामों में कांग्रेस ने न केवल अपना जनाधार बढ़ाया, बल्कि पंचायत समितियों में भी भाजपा से आगे निकल गई। पार्टियों के दावों के अनुसार, 24 में कांग्रेस को बहुमत मिला है तो भाजपा 5 जिलों में बहुमत में है। 1 जिले में रालोपा को बहुमत मिला है। 7 जिलों में बिना जोड़तोड़ सत्ता संभव नहीं है। पंचायत समितियों में भी कांग्रेस करीब 269 जगह प्रधान बनाने की स्थिति में है, जबकि भाजपा का आंकड़ा 73 के आसपास सिमटता दिख रहा है। राज्य निर्वाचन आयोग ने 37 जिला परिषदों के 1275 और 419 पंचायत समितियों के 7543 वार्डों के परिणाम घोषित किए। चुनाव में कुल 29,177 उम्मीदवार मैदान में थे और 2 करोड़ 48 लाख 63 हजार 783 मत डाले गए। जिला प्रमुख के चुनाव 25 नवंबर और उप जिला प्रमुख के 26 नवंबर को होंगे। प्रधान के चुनाव 27 नवंबर तथा उप प्रधान के 28 नवंबर को होंगे।



और अलकनंदा बहती रही - पहचान खोकर बहती एक नदी की कथा

हिमालय की गोद में जन्म लेकर पहाड़ों के बीच बहती अलकनंदा देवप्रयाग में भागीरथी से मिलकर अपनी अलग पहचान खो देती है और दोनों का संयुक्त प्रवाह गंगा के रूप में आगे बढ़ता है। नाम और पहचान के इस विसर्जन के पीछे छिपे त्याग, समर्पण और साधना की कहानी को रणविजय सिंह ने अपने उपन्यास और अलकनंदा बहती रही में स्वर दिया है। उत्तराखंड की यात्रा के दौरान सतोपंथ हिमनद से देवप्रयाग तक अलकनंदा के साथ चलते हुए मिले अनुभव इस कृति का आधार बने हैं। उपन्यास का मुख्य पात्र देवदत्त काशी का एक युवा खोजी है, जो सत्य को पढ़ने के बजाय जीना चाहता है। वह अलकनंदा के साथ-साथ माणा, बदरीनाथ, ज्योतिर्मठ, धारी देवी और श्रीनगर से गुजरता है। इस यात्रा में पंचप्रयाग को उसकी चेतना के पांच पड़ावों के रूप में प्रस्तुत किया गया है। विष्णुप्रयाग में अहंकार का विसर्जन, नंदप्रयाग में आध्यात्मिक आनंद, कर्णप्रयाग गें करुणा और त्याग, रुद्रप्रयाग में आत्ममंथन तथा देवप्रयाग में नाम और रूप के विसर्जन के साथ गंगा के अखंड स्वरूप का बोध होता है। देवदत्त की डायरी के माध्यम से पौराणिक प्रसंगों को वर्तमान से जोड़ा गया है। माणा की सरस्वती, पांडवों के प्रस्थान, ज्योतिर्मठ और गंधमादन के प्रसंगों के साथ 2013 की केदारनाथ आपदा तथा धारी देवी का उल्लेख भी आता है। उपन्यास में अलकनंदा को नायिका के रूप में प्रस्तुत करते हुए लेखक उसके समर्पण को रेखांकित करते हैं, जो अपनी पहचान मिटाकर भी गंगा की पूर्णता में योगदान देती है। उपन्यास में एक दिलचस्प पक्ष अलकनंदा के योगदान और उसकी पहचान का है कि आखिर जो अलकनन्दा तमाम धाराओं को समेटकर देवप्रयाग में अपना नाम तक सौंप देती है, उसे आगे अपनी पहचान क्यों नहीं मिलती। इसी क्रम में बुनकर की करघा-शाला और पहाड़ी लोकगीत जैसे प्रसंग कथा में स्थानीय संस्कृति और जीवन के रंग भरते हैं। और अलकनंदा बहती रही नदी के बहाने त्याग, समर्पण और अस्तित्व की पड़ताल करती है। इसकी गूल संवेदना यही है कि कभी-कभी अपनी पहचान खोकर भी कोई अस्तित्व व्यापक और अमर हो जाता है।

भाजपा ओबीसी मोर्चा में सात राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और तीन राष्ट्रीय महामंत्री नियुक्त

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष नितिन नवीन ने शनिवार को संगठन को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से तत्काल प्रभाव से ओबीसी मोर्चा की राष्ट्रीय टीम में बदलाव करते हुए सात राष्ट्रीय उपाध्यक्षों और तीन राष्ट्रीय महामंत्रियों की नियुक्ति की घोषणा की । इस नई टीम के गठन के माध्यम से देश के विभिन्न राज्यों के नेताओं को राष्ट्रीय स्तर पर संगठनात्मक जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इन नियुक्तियों में असम, ओडिशा, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, दिल्ली, बिहार, कर्नाटक और छत्तीसगढ़ सहित कई राज्यों के नेताओं को शामिल किया गया है। नियुक्ति सूची के अनुसार, सात नेताओं को ओबीसी मोर्चा का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है। इनमें असम से जोगेन मोहन, ओडिशा से ममता मोहंता, गहाराष्ट्र से बबनराव रावजी चौधरी, दिल्ली से सत प्रकाश राणा और बिहार से डॉ. अर्जुन साहनी शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, उत्तर प्रदेश से दो नेताओं - संगम लाल गुप्ता और संगीता बलवंत बिंद को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है, जिन्हें राष्ट्रीय स्तर पर संगठन में नई भूमिका सौंपी गई है। राष्ट्रीय उपाध्यक्षों की नियुक्तियों के साथ-साथ पार्टी ने तीन नेताओं को ओबीसी मोर्चा का राष्ट्रीय महामंत्री भी नियुक्त किया है। जारी सूची के अनुसार, राष्ट्रीय महामंत्री पद की जिम्मेदारी दिल्ली से गजेंद्र यादव, कर्नाटक से प्रमोद मध्यराज और छत्तीसगढ़ से ललित चंद्राकार को दी गई है। इसके अलावा, सात नेताओं को राष्ट्रीय मंत्री नियुक्त किया गया है, जिनमें गुजरात से दशरथजी ठाकोर, तमिलनाडु से टी. वरथराजन, झारखंड से संजीव कुमार (बबलू भगत), हरियाणा से सरिता जांगिड़, तेलंगाना से कडागंची रमेश, मध्य प्रदेश से वैभव पंवार और बिहार से भीम कुमार साहू शामिल हैं। साथ ही, उत्तर प्रदेश से राधेश्याग यादव को राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष, दिल्ली से संजय कुमार गुर्जर को केंद्रीय कार्यालय मंत्री, दिल्ली से डॉ. अरुण यादव को केंद्रीय कार्यालय सह-मंत्री, बिहार से अजय गुप्ता को मीडिया संयोजक, दिल्ली से परीक्षित डागर को सोशल मीडिया संयोजक और मध्य प्रदेश से प्रदीप माहौर सोनी को सोशल मीडिया सह-संयोजक की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

बीकानेर की चिकित्सा सुविधाओं को मिलेगी मजबूती, दवाइयों के भंडारण एवं वितरण व्यवस्था में आएगा सुधार

बीकानेर। बीकानेर के चिकित्सा क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण पहल करते हुए पीबीएम चिकित्सालय परिसर में 5 करोड़ 5 लाख रुपये की लागत से सेंट्रल ड्रग वेयर हाउस का निर्माण कार्य करवाया जाएगा। इस महत्वपूर्ण परियोजना से पीबीएम चिकित्सालय सहित संबद्ध चिकित्सा इकाइयों में दवाइयों के सुरक्षित भंडारण, व्यवस्थित प्रबंधन एवं समयबद्ध वितरण व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने में मदद मिलेगी। माननीय केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल ने बताया कि पीबीएम चिकित्सालय बीकानेर संभाग का प्रमुख चिकित्सा केंद्र है। यहां बीकानेर जिले के साथ-साथ श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू, नागौर एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में मरीज बेहतर उपचार के लिए पहुंचते हैं। प्रतिदिन बड़ी संख्या में मरीजों के उपचार के चलते अस्पताल में दवाइयों की पर्याप्त उपलब्धता एवं उनके उचित प्रबंधन की आवश्यकता बनी रहती है। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए 5 करोड़ 5 लाख रुपये की लागत से सेंट्रल ड्रग वेयर हाउस के निर्माण की योजना महत्वपूर्ण साबित होगी। श्री मेघवाल ने कहा कि आधुनिक चिकित्सा व्यवस्था में दवाइयों का सुरक्षित भंडारण, उचित रखरखाव एवं समय पर उपलब्धता अत्यंत आवश्यक है। सेंट्रल ड्रग वेयर हाउस के निर्माण से दवाइयों के स्टॉक का व्यवस्थित संधारण किया जा सकेगा तथा आवश्यकतानुसार विभिन्न चिकित्सा इकाइयों तक दवाइयों की आपूर्ति को अधिक सुचारु बनाने में सहायता मिलेगी। इससे दवाइयों के रखरखाव एवं वितरण व्यवस्था में पारदर्शिता और बेहतर प्रबंधन को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि किसी भी चिकित्सा संस्थान की स्वास्थ्य सेवाओं को प्रभावी बनाने के लिए आधुनिक भवनों एवं चिकित्सा उपकरणों के साथ-साथ दवाइयों की निर्बाध उपलब्धता भी जरूरी है। इस वेयर हाउस के निर्माण से दवाइयों के भंडारण के लिए बेहतर आधारभूत संरचना उपलब्ध होगी। इसके परिणामस्वरूप अस्पताल प्रशासन को दवाइयों के स्टॉक एवं वितरण का प्रबंधन करने में सुविधा मिलेगी तथा मरीजों को आवश्यक दवाइयां उपलब्ध करवाने की व्यवस्था को सुदृढ़ किया जा सकेगा। केंद्रीय मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि बीकानेर में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और आधुनिकीकरण के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। बीकानेर संभाग के लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं अपने क्षेत्र में ही उपलब्ध हों, इसके लिए स्वास्थ्य क्षेत्र के आधारभूत ढांचे को मजबूत करना आवश्यक है। पीबीएम चिकित्सालय में सेंट्रल ड्रग वेयर हाउस का निर्माण इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

उन्होंने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार की प्राथमिकता आमजन को सुलभ, गुणवत्तापूर्ण एवं बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाना है। बीकानेर में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार से न केवल स्थानीय नागरिकों को लाभ मिलेगा, बल्कि संभाग के दूरदराज के क्षेत्रों से आने वाले मरीजों को भी बेहतर चिकित्सा सुविधाओं का लाभ मिल सकेगा। श्री मेघवाल ने विश्वास व्यक्त किया कि 5 करोड़ 5 लाख रुपये की लागत से बनने वाला यह सेंट्रल ड्रग वेयर हाउस पीबीएम चिकित्सालय की दवा प्रबंधन एवं आपूर्ति व्यवस्था को नई मजबूती प्रदान करेगा तथा बीकानेर के चिकित्सा संस्थानों के आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।



मौसम विभाग ने जारी की पूर्वोत्तर और दक्षिण भारत में भारी बारिश की चेतावनी, पूर्वी उत्तर प्रदेश में घना कोहरा

पूर्वोत्तर भारत के कई राज्यों में रविवार को भारी बारिश और दक्षिण भारत के राज्यों में अगले कई दिनों तक वर्षा तथा गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ने के आसार हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने आज पूर्वी उत्तर प्रदेश में घने कोहरे की चेतावनी भी जारी की है। इस बीच अमृतसर हवाई अड्डे सहित कई स्थानों पर दृश्यता कम दर्ज की गयी। अमृतसर में दृश्यता घटकर 200 मीटर रह गयी। मौसम विभाग की ओर से आज सुबह 8.26 बजे जारी अखिल भारतीय मौसम सारांश एवं पूर्वानुमान बुलेटिन के अनुसार रविवार को असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना है। इस दौरान कुछ स्थानों पर गरज-चमक और आकाशीय बिजली गिरने के भी आसार हैं। नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में रविवार को कई स्थानों पर हल्की से मध्यम स्तर की बारिश हो सकती है। वहीं, अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय में 24 नवम्बर तक छिटपुट बारिश होने का अनुमान है। नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 23 और 24 नवम्बर को भी कुछ स्थानों पर बारिश होने के आसार हैं। मौसम विभाग के अनुसार तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में 23 से 27 नवम्बर तक अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। इन क्षेत्रों में 28 नवम्बर को भी भारी वर्षा की संभावना है। केरल और माहे में 24 से 26 नवम्बर तक भारी बारिश का अनुमान है। तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में 24 और 25 नवम्बर को कई स्थानों पर बारिश होने की संभावना है। दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में 24 नवम्बर तथा लक्षद्वीप में 25 से 27 नवम्बर तक कई स्थानों पर वर्षा हो सकती है। इस दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में 23 से 27 नवम्बर तक गरज-चमक और आकाशीय बिजली के साथ 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का अनुमान है। हवा की रफ्तार झोंकों में 60 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। इसी तरह से आंध्र प्रदेश, केरल और कर्नाटक के कुछ हिस्सों में आगामी दिनों में गरज-चमक के साथ बारिश और तेज हवाएं चलने का पूर्वानुमान व्यक्त किया है। वहीं, पूर्वी उत्तर प्रदेश में 22 और 23 नवम्बर को घना कोहरा छाए रहने की चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग के अनुसार तटीय आंध्र प्रदेश, यनम और रायलसीमा में 23 से 25 नवम्बर तक गरज-चमक के साथ बारिश होने के आसार हैं। केरल और माहे में 24 और 25 नवम्बर को 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। हवा के झोंकों की गति 50 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने का अनुमान है। कर्नाटक के कुछ हिस्सों में भी आगामी दिनों में आकाशीय बिजली गिरने और गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने पूर्वी उत्तर प्रदेश में 22 और 23 नवम्बर को घने कोहरे की चेतावनी देते हुए कहा है कि इससे सड़क, रेल और हवाई यातायात प्रभावित हो सकता है। कोहरे के कारण वाहनों की रफ्तार धीमी पड़ने और सड़क दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ने की आशंका है। विभाग ने वाहन चालकों को सावधानी बरतने, फॉग लाइट का इस्तेमाल करने तथा यात्रा से पहले विमानन कंपनियों, रेलवे और राज्य परिवहन सेवाओं से समय-सारिणी की जानकारी लेने की सलाह दी है। रविवार सुबह 5.30 बजे तक दर्ज हालातों के अनुसार पंजाब के कुछ स्थानों और पूर्वी उत्तर प्रदेश, ओडिशा, छत्तीसगढ़ तथा पूर्वोत्तर राज्यों में अलग-अलग स्थानों पर मध्यम कोहरा दर्ज किया गया। मौसम विभाग के मुताबिक 21 नवम्बर को देश के कई हिस्सों में न्यूनतम तापमान सामान्य से नीचे रहा। पश्चिमी मध्य प्रदेश, रायलसीमा, उत्तर आंतरिक कर्नाटक और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक के कुछ स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से पांच डिग्री सेल्सियस से अधिक नीचे दर्ज किया गया। हिमाचल प्रदेश, पूर्वी एवं पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान सहित कई अन्य क्षेत्रों में भी अलग-अलग स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी कम रहा। बुलेटिन के अनुसार हिमाचल प्रदेश के मंडी और राजस्थान के सीकर में न्यूनतम तापमान 7.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज की गयी। हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली के कुछ अलग-अलग इलाकों में न्यूनतम तापमान सामान्य से 1.6 से तीन डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। इक्कीस नवंबर को सबसे अधिक तापमान केरल के पुनालुर में 36 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के मुताबिक 22 से 28 नवंबर तक पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में मौसम शुष्क रहने का अनुमान है। मौसम विभाग ने बताया कि इस सप्ताह पश्चिमी, मध्य और पूर्वी भारत में मौसम में कोई बड़ा बदलाव होने की संभावना नहीं है। मौसम संबंधी विश्लेषण से यह भी पता चला है कि रविवार सुबह 5:30 बजे उत्तरी छत्तीसगढ़ और उसके आसपास के इलाकों में कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ था, जिसके साथ जुड़ा चक्रवाती परिसंचरण समुद्र तल से 3.1 किलोमीटर की ऊंचाई तक फैला हुआ था। मध्य क्षोभमंडल में पश्चिमी हवाओं के बीच एक %पश्चिमी विक्षोभ% मौजूद था, जबकि नागालैंड, मध्य महाराष्ट्र, अरुणाचल प्रदेश और पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी से सटे उत्तरी तटीय आंध्र प्रदेश के ऊपर ऊपरी वायुमंडलीय चक्रवाती परिसंचरण देखे गये। वहीं, 21 नवंबर सुबह 8:30 बजे से 22 नवंबर सुबह 5:30 बजे तक की अवधि में, बिहार के पूर्णिया और नागालैंड के दीमापुर में 3-3 सेमी बारिश दर्ज की गयी। बिहार के भागलपुर और मेघालय के शिलांग में 2-2 सेमी बारिश हुई, जबकि गया, चेरापूंजी, आइजोल-लेंगपुई और कई अन्य जगहों पर एक सेमी बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग ने भारी बारिश की संभावना वाले इलाकों के किसानों को सलाह दी है कि वे अपने खेतों में पानी निकासी का उचित प्रबंध करें, सिंचाई और खेती से जुड़े कुछ जरूरी कामों को टाल दें, और कटी हुई फसलों को बारिश और तेज हवाओं से बचाएं। पशुपालकों को सलाह दी गयी है कि भारी बारिश के दौरान जानवरों को सुरक्षित आश्रय में रखें और उनके चारे को नमी से बचाएं। मौसम विभाग के अनुसार, उनके दैनिक पूर्वानुमान और चेतावनी, संबंधित दिन सुबह 8:30 बजे से अगले दिन सुबह 8:30 बजे तक प्रभावी रहते हैं।

पाकिस्तान-ए के खिलाफ सस्ते में आउट हुए वैभव सूर्यवंशी, लगातार गिर रहा प्रदर्शन; आंकड़े दे रहे गवाही



क्रिकेट की दुनिया में अपनी तूफानी बल्लेबाजी से पहचान बनाने वाले युवा खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी इन दिनों संघर्ष करते नजर आ रहे हैं। एशिया कप राइजिंग स्टार्स 2026 में पाकिस्तान-ए के खिलाफ भी उनका बल्ला खामोश रहा। इस मुकाबले में वह महज 11 रन बनाकर आउट हो गए। उनके इस प्रदर्शन ने क्रिकेट प्रशंसकों के बीच एक बार फिर उनकी फॉर्म को लेकर चर्चा छेड़ दी है। कभी गेंदबाजों के छक्के छुड़ाने वाले वैभव पिछले कुछ मुकाबलों में बड़ी पारियां खेलने के लिए जूझते नजर आ रहे हैं। उनके हालिया प्रदर्शन पर नजर डालें तो निरंतरता की कमी साफ दिखाई देती है। रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं वैभव वैभव सूर्यवंशी के हालिया मुकाबलों पर नजर डालें तो उनके संघर्ष की तस्वीर साफ नजर आती है। एशिया कप राइजिंग स्टार्स 2026 में 20 नवंबर को इंडिया-ए की ओर से नेपाल के खिलाफ खेलते हुए उन्होंने 26 रन बनाए थे। इससे पहले 14 नवंबर को घरेलू टी20 टूर्नामेंट सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में बिहार की ओर से सौराष्ट्र के खिलाफ वह महज 18 रन ही बना सके थे। वहीं, 27 अक्टूबर को न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में वैभव सूर्यवंशी ने 45 रनों की पारी खेली थी। हालांकि, इससे ठीक पहले 24 अक्टूबर को इसी टीम के खिलाफ टी20ढ्ढ में वह केवल 4 रन बनाकर आउट हो गए थे। यानी एक मुकाबले में उनका बल्ला चला, तो अगले ही मैच में वह बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे। शियन गेम्स 2026 में भी निराशाजनक प्रदर्शन एशियन गेम्स 2026 में पाकिस्तान और श्रीलंका के खिलाफ भी वैभव सूर्यवंशी का प्रदर्शन अपेक्षा के मुताबिक नहीं रहा था। 3 अक्टूबर को पाकिस्तान के खिलाफ खेले गए एशियन गेम्स 2026 फाइनल मैच (टी20 इंटरनेशनल) में वैभव के बल्ले से 15 रन निकले थे। वहीं, 1 अक्टूबर को श्रीलंका के खिलाफ उन्होंने 38 रन बनाए थे। इन दोनों पारियों में भी वह अपनी शुरुआत को बड़े स्कोर में तब्दील नहीं कर सके। अगस्त-सितंबर में फर्स्ट क्लास क्रिकेट में जड़ा था अर्धशतक इससे पहले वैभव सूर्यवंशी ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 6 सितंबर को ईस्ट जोन की ओर से साउथ जोन के खिलाफ पहली पारी में 44 और दूसरी पारी में 8 रन बनाए थे। वहीं, अगस्त-सितंबर में सेंट्रल जोन के खिलाफ उनका बल्ला जमकर बोला था। इस मुकाबले की पहली पारी में उन्होंने 92 रन बनाए थे, जबकि दूसरी पारी में 40 रनों का योगदान दिया था। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि वैभव सूर्यवंशी पिछले कुछ मुकाबलों में बड़ी पारियां खेलने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। पाकिस्तान-ए के खिलाफ सस्ते में आउट होना भी उनकी फॉर्म को लेकर चल रही चर्चा को और हवा देता है। अब देखना दिलचस्प होगा कि वैभव कब अपनी पुरानी लय हासिल करते हैं और एक बार फिर बड़ी पारियां खेलकर क्रिकेट प्रशंसकों के चेहरों पर मुस्कान बिखेरते हैं।

फैसलों पर सवाल उठाइए, संस्थाओं पर नहीं', CJI Surya Kant ने लोकतंत्र और संवैधानिक संस्थाओं पर और क्या कहा



भारत के मुख्य न्यायाधीश (CJI) सूर्यकांत ने कहा है कि लोकतंत्र में नागरिकों को संवैधानिक संस्थाओं के फैसलों की आलोचना करने का पूरा अधिकार है, लेकिन उन्हें संस्थाओं को निशाना बनाने से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी फैसले और उस फैसले से जुड़ी संस्था के बीच अंतर समझना जरूरी है। ऐसा नहीं करने से लोकतांत्रिक संस्थाओं में लोगों का भरोसा कमजोर हो सकता है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत रविवार को हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय (CUHP) के 10वें दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। समारोह से इतर विद्यार्थियों के साथ संवाद के दौरान उन्होंने लोकतंत्र, संवैधानिक संस्थाओं और शिक्षा के महत्व पर अपनी बात रखी। संस्थाओं पर हमले से कमजोर होता है लोकतंत्र में भरोसा विश्वविद्यालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक, CJI सूर्यकांत ने कहा कि लोकतंत्र में किसी भी संवैधानिक संस्था के फैसले पर सवाल उठाना नागरिकों का अधिकार है। हालांकि, फैसले की आलोचना करते समय पूरी संस्था को निशाना बनाना उचित नहीं है।उन्होंने कहा कि कई बार लोग किसी फैसले और उस फैसले को देने वाली संस्था के बीच अंतर नहीं कर पाते। इस तरह की सोच से लोकतंत्र को मजबूत बनाए रखने वाली संस्थाओं पर जनता का भरोसा कमजोर होने का खतरा रहता है। 702 विद्यार्थियों को मिली डिग्री, 32 को गोल्ड मेडल हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय का 10वां दीक्षांत समारोह धर्मशाला के सरकारी डिग्री कॉलेज के सभागार में आयोजित किया गया। इस दौरान कुल 702 विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान की गईं, जबकि 32 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया।खास बात यह रही कि 32 स्वर्ण पदकों में से 23 छात्राओं को मिले। कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय की समाचार पत्रिका और शिक्षकों की लिखी पांच पुस्तकों का भी विमोचन किया गया।शिक्षा का मतलब सिर्फ नौकरी पाना नहीं दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए ष्छ्ढ सूर्यकांत ने कहा कि किसी भी देश की सबसे बड़ी ताकत उसके शिक्षित, जागरूक और जिम्मेदार नागरिक होते हैं। शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार हासिल करना नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि शिक्षा से आलोचनात्मक सोच, समझ, शोध और इनोवेशन की क्षमता विकसित होती है। यह समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का भी एक महत्वपूर्ण माध्यम है।

भारती निकेतन स्कूल, श्रीडूंगरगढ़ (बीकानेर) No.1 SCHOOL

IIT Advanced Result 2026

218 विद्यार्थी 90% से ऊपर

वर्ष 2020 एवं 2026 में 2 बार राजस्थान टॉपर के साथ IIT Advanced में सलेक्शन

AIR-603 (GEN-EWS) PANKAJ SHARMA S/o Ravataram Sharma CLASSROOM FOUNDATION STUDENT 2025

AIR-901 (OBC) MRIDUL VERMA S/o Sanjay Verma CLASSROOM FOUNDATION STUDENT 2025

AIR-2683 (GEN-EWS) SUBHAM BOTHRA S/o Pramod Kumar Bothra CLASSROOM STUDENT 2026

1st RAJASTHAN TOPPER 500/500

Hindi 100/100 English 100/100 Physics 100/100 Chemistry 100/100 Maths 100/100

भारती निकेतन के लाल का कमाल

Bhagirath 100.00%

4th STATE MERIT XII Sci. 99.00% Shubham Bothra
7th STATE MERIT XII Sci. 98.40% Licchman Bhari
7th STATE MERIT XII Sci. 98.40% Mukesh Singh
8th STATE MERIT XII Sci. 98.20% Rohit
8th STATE MERIT XII Sci. 98.20% Sunita
8th STATE MERIT XII ARTS 98.20% Garima Meena
9th STATE MERIT X 98.17% Vasudev Swami

यहां बनते हैं IITians, Doctors और Board Toppers 70144-44381

पाकिस्तान की बदहाल अर्थव्यवस्था और कमजोर शासन व्यवस्था की असली वजह क्या है? समझिए संकट का पूरा गणित

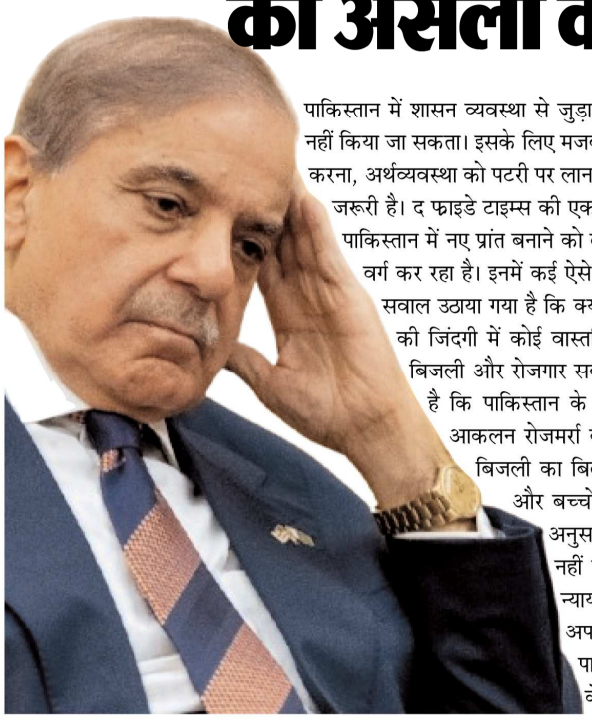

पाकिस्तान में शासन व्यवस्था से जुड़ा संकट केवल प्रांतीय सीमाओं में बदलाव करके दूर नहीं किया जा सकता। इसके लिए मजबूत संस्थाओं का निर्माण, स्थानीय सरकारों को सशक्त करना, अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाना और आम नागरिकों तक बुनियादी सुविधाएं पहुंचाना जरूरी है। द फ्राइडे टाइम्स की एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान में नए प्रांत बनाने को लेकर चल रही बहस का नेतृत्व राजनीतिक अभिजात वर्ग कर रहा है। इनमें कई ऐसे नेता हैं, जो दशकों से सत्ता में बने हुए हैं। रिपोर्ट में सवाल उठाया गया है कि क्या केवल नक्शे पर नई सीमाएं खींचने से आम लोगों की जिंदगी में कोई वास्तविक बदलाव आएगा? आम लोगों के लिए महंगाई, बिजली और रोजगार सबसे बड़े मुद्दे द फ्राइडे टाइम्स की रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान के आम नागरिकों के लिए सरकार के कामकाज का आकलन रोजमर्रा की जिंदगी से होता है। उनके लिए आटे की कीमत, बिजली का बिल, रोजगार की उपलब्धता, घर के बाहर की सड़क और बच्चों की शिक्षा जैसे मुद्दे ज्यादा महत्वपूर्ण हैं। रिपोर्ट के अनुसार, किसी नए प्रांत का गठन अपने आप महंगाई कम नहीं कर सकता। इससे गुणवत्तापूर्ण सार्वजनिक सेवाओं, न्याय और सरकारी सुविधाओं तक लोगों की पहुंच भी अपने आप बेहतर नहीं होगी।रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान की शासन व्यवस्था की विफलताओं के लिए केवल भौगोलिक सीमाओं को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। उद्योगों की कमी और नीतिगत अस्थिरता से अर्थव्यवस्था प्रभावित रिपोर्ट में पाकिस्तान की आर्थिक चुनौतियों का भी जिक्र किया गया है। इसमें कहा गया है कि देश अब तक व्यापक और विविध औद्योगिक आधार तैयार नहीं कर पाया है। इसके कारण स्थायी रोजगार के अवसर पैदा करने, निर्यात बढ़ाने और विदेशी वित्तीय सहायता पर निर्भरता कम करने में मुश्किलें आ रही हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, नीतियों में बार-बार बदलाव, ऊर्जा की ऊंची लागत और नियामकीय अनिश्चितता ने औद्योगीकरण की रफ्तार को प्रभावित किया है। पाकिस्तान में गरीबी को लेकर अलग-अलग आंकड़े रिपोर्ट में गरीबी के आंकड़ों का भी जिक्र किया गया है। इसके मुताबिक, पाकिस्तान के आधिकारिक अनुमान में वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान गरीबी दर 28.9 प्रतिशत बताई गई है। वहीं, विश्व बैंक के अनुमान के अनुसार, वर्ष 2024 में पाकिस्तान की 47.9 प्रतिशत आबादी अंतरराष्ट्रीय गरीबी रेखा 4.20 डॉलर प्रतिदिन से नीचे जीवनयापन कर रही थी। यह आंकड़ा 2021 की क्रय शक्ति समानता (PPP) के आधार पर तय की गई गरीबी रेखा से संबंधित है। रिपोर्ट ने स्पष्ट किया है कि दोनों आंकड़ों के बीच अंतर का कारण गरीबी मापने के अलग-अलग मानक और तरीके हैं। सुरक्षा संकट के कारण विकास के मुद्दे पीछे छूटे रिपोर्ट में पाकिस्तान की सुरक्षा चुनौतियों को भी शासन व्यवस्था की कमजोरियों से जोड़ा गया है। इसमें कहा गया है कि संघर्ष, आतंकवाद और आतंकवाद विरोधी अभियानों में लगातार वित्तीय संसाधन और राजनीतिक ध्यान खर्च होता रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, समाज के कुछ हिस्सों में चरमपंथी नेटवर्क को काम करने की जगह मिली है। सुरक्षा संकटों में उलझे रहने के कारण आम नागरिकों की रोजमर्रा की समस्याएं अक्सर सरकार की प्राथमिकताओं से पीछे छूट जाती हैं। विदेशी मदद पर निर्भरता से नहीं आएगी स्थायी खुशहाली द फ्राइडे टाइम्स की रिपोर्ट में पाकिस्तान की आर्थिक नीतियों पर भी सवाल उठाए गए हैं। इसके मुताबिक, सरकार की आर्थिक कोशिशों का बड़ा हिस्सा बार-बार पैदा होने वाले संकटों से निपटने में खर्च हो जाता है। इसमें अंतरराष्ट्रीय वित्तीय कार्यक्रमों की समीक्षा प्रक्रिया पूरी करना और विदेशी सहायता की अगली किस्त हासिल करना भी शामिल है। रिपोर्ट का कहना है कि बार-बार आपातकालीन वित्तीय सहायता हासिल करने से स्थायी आर्थिक समृद्धि नहीं आ सकती। इसके लिए मजबूत संस्थाओं, बेहतर प्रशासन, रोजगार के अवसरों और आम लोगों तक जरूरी सेवाएं पहुंचाने पर ध्यान देना होगा

ट्रंप का फोन तक नहीं उठा रहे किम जोंग उन, चिट्ठी भी नहीं खोली; दूसरी तरफ अमेरिका पर हमले की ताकत बढ़ा रहा उत्तर कोरिया





अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन से संपर्क करने के लिए फोन और चिट्ठी समेत कई कोशिशें कीं, लेकिन उन्हें कोई जवाब नहीं मिला। दूसरी तरफ किम जोंग उन परमाणु हथियारों का जखीरा बढ़ाने और रूस के साथ सैन्य संबंध मजबूत करने में जुटे हैं। रूस के साथ भी उसकी सैन्य नजदीकी बढ़ रही है। ऐसे में उत्तर कोरिया की बढ़ती परमाणु ताकत अमेरिका के लिए नई चिंता बन गई है।

फोन और चिट्ठी का भी नहीं मिला जवाब

द वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले साल ट्रंप ने तय राजनयिक रास्तों से किम जोंग उन से बात करने की कोशिश की। इसमें फोन पर संपर्क साधना भी शामिल था, लेकिन वहां से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। जब फोन से बात नहीं बनी तो ट्रंप ने उत्तर कोरिया के नेता को एक पत्र लिखा, मगर उस चिट्ठी को सही जगह पहुंचाना भी अमेरिकी अधिकारियों के लिए आसान नहीं रहा। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि व्हाइट हाउस के अधिकारियों ने यह पत्र पहुंचाने के लिए अनोखा तरीका अपनाया। मैनहट्टन में संयुक्त राष्ट्र के भीतर उत्तर कोरिया के स्थायी मिशन के बाहर अमेरिकी अधिकारी इंतजार करते रहे। जैसे ही वहां से एक उत्तर कोरियाई राजनयिक गुजरा, उसे वह पत्र थमा दिया गया। हालांकि, बाद में संयुक्त राष्ट्र की एक बैठक के दौरान उस राजनयिक ने कथित तौर पर बिना खोला हुआ लिफाफा अमेरिकी प्रतिनिधि के सामने रख दिया।

एशिया दौरे में भी नहीं बन सकी बात

हाल ही में ट्रंप के एशिया दौरे के दौरान भी किम से मुलाकात की नई कोशिशें किसी नतीजे पर नहीं पहुंच सकी। दोनों तरफ से आखिरी वक्त में आमने-सामने बातचीत की संभावनाएं टटोली गईं, लेकिन किम ने ऐसी शर्तें रख दी जिन्हें अमेरिका मान नहीं सका। अपने पहले कार्यकाल में ट्रंप और किम की तीन बार मुलाकात हो चुकी है, जहां कोरियाई प्रायद्वीप को परमाणु हथियारों से मुक्त करने पर चर्चा हुई थी। लेकिन 2019 की आखिरी बैठक के बाद से हालात बदले हैं और उत्तर कोरिया ने अपनी मिसाइल व परमाणु ताकत को और मजबूत किया है।

बातचीत के लिए किन शर्तों पर हुआ था मंथन

रिपोर्ट के अनुसार, हालिया दौरे के समय ट्रंप प्रशासन ने किम के साथ बैठक का रास्ता निकालने के लिए कई विकल्पों पर विचार किया था। इनमें 70 साल से ज्यादा समय पहले युद्धविराम के साथ रुके कोरियाई युद्ध को औपचारिक रूप से खत्म करने की बात भी शामिल थी। एक चर्चा यह भी थी कि एक ऐसा बयान जारी किया जाए जिसमें उत्तर कोरिया को परमाणु ताकत वाला देश न माना जाए और न ही उसके परमाणु कार्यक्रम को पूरी तरह खत्म करने की सीधी मांग की जाए। इसके बदले अमेरिका यह कह सकता था कि वह परमाणु और मिसाइल परीक्षण रोक दे। दोनों देशों के बीच संपर्क दफ्तर खोलने पर भी बात हुई थी।

ईरानी सेना ने बनाया अमेरिकी F-16 फाइटर जेट को निशाना, इमरजेंसी लैंडिंग के लिए मजबूर हुआ पायलट

ईरान (Iran) और अमेरिका (United States of America) के एक बार फिर एक-दूसरे के ठिकानों पर हमले करने से दोनों देशों के बीच पहले से जारी तनाव और बढ़ गया है। दोनों देश युद्ध का अंत तो चाहते हैं लेकिन एक-दूसरे की शर्तों पर सहमत नहीं हो रहे हैं। होर्मुज स्ट्रेट **(Strait of Hormuz)** में हर दिन कई जहाज ईरानी सेना द्वारा बिछाई गई समुद्री बारूदी सुरंगों का शिकार बन रहे हैं। ईरान के इलाके के पास अमेरिकी गतिविधियाँ भी जारी हैं। इसी बीच अब एक बार फिर ईरानी सेना को अमेरिकी सेना के खिलाफ बड़ी कामयाबी मिली है।

ईरानी सेना ने बनाया अमेरिकी स्न-16 फाइटर जेट को निशाना

ईरानी सेना ने अब तक अमेरिका के कई ड्रोन्स को मार गिराया है। युद्ध के दौरान ईरानी सेना ने कुछ अमेरिकी फाइटर जेट्स को भी मार गिराया। अब एक बार फिर ईरानी सेना ने अमेरिकी फाइटर जेट को निशाना बनाया। ईरानी सेना ने बताया कि दक्षिणी ईरान में तैनात देश के एकीकृत एयर डिफेंस नेटवर्क के तहत काम करने वाले स्वदेशी एयर डिफेंस सिस्टम्स ने पर्शियन गल्फ के ऊपर एक अमेरिकी स्न-16 फाइटर जेट का पता लगाया। इस कार्रवाई के दौरान ईरानी सेना के एयर डिफेंस सिस्टम्स ने स्न-16 फाइटर जेट को ट्रैक किया और उसे निशाना बनाते हुए उसकी ओर मिसाइलें दागीं। फाइटर जेट के पास मिसाइल फटने से उसे नुकसान पहुंचा, जिसके कारण पायलट को अपना मिशन बीच में ही रोकना पड़ा और क्षेत्र के सबसे नजदीकी एयरपोर्ट्स में से एक पर इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी।

आईआरजीसी के चीफ ने दी अमेरिका और सहयोगियों को चेतावनी

ईरान की आईआरजीसी - इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC - Islamic Revolutionary Guard Corps) के कमांडर-इन-चीफ, मेजर जनरल अहमद वाहिदी (Ahmad Vahidi) ने आज, शनिवार, 21 नवंबर को ईरानी सेना की अंडरग्राउंड मिसाइल सिटी का अपना पहला सार्वजनिक दौरा किया। वाहिदी ने आईआरजीसी की एयरोस्पेस फोर्स के कमांडर ब्रिगेडियर जनरल माजिद मौसावी (Majid Mousavi) के साथ यह दौरा किया। मौके पर मौजूद सैन्य अधिकारियों और अन्य सैनिकों को संबोधित करते हुए वाहिदी ने अमेरिका और उसके सहयोगियों को कड़ी चेतावनी दी। वाहिदी ने कहा कि अभी जो कुछ हो रहा है, वह बस शुरुआत है और ईरान के दुश्मनों को आगे और भी अपमान और बेइज्जती झेलनी पड़ेगी।

सीमा पार आतंकवाद के सवाल पर बगलें झांकते दिखे पाकिस्तानी मंत्री, बोले- 'कल जवाब दूंगा'

पाकिस्तान के जलवायु परिवर्तन मंत्री मुसादिक मसूद मलिक ने शुक्रवार को नई दिल्ली में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (SCO) के सिविलाइजेशन डायलॉग फोरम% के दौरान सीमा पार आतंकवाद को लेकर भारत की चिंताओं पर सीधा जवाब देने से बचते हुए कहा कि वे इस मुद्दे पर कल बयान देंगे। आतंकवाद के सवाल पर लिया यूटर्न तीन दिवसीय इस कार्यक्रम में पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे मलिक ने सीमा पार आतंकवाद - खासकर पाकिस्तान की जमीन से होने वाले आतंकवाद को लेकर भारत की पुरानी चिंताओं पर सीधा जवाब देने से टालमटोल की। उन्होंने बस इतना कहा, मुझे लगता है कि कल, जब मैं अपना बयान दूंगा, तब हम इस पर काफी बातचीत कर सकेंगे। आतंकवाद के नेटवर्क पर लगाम लगाने में इस्लामाबाद की विफलता पर बात करने के बजाय, पाकिस्तानी मंत्री ने चर्चा का रुख क्षेत्रीय इतिहास और सांस्कृतिक विविधता की ओर मोड़ दिया। द्वसुरक्षा से जुड़े सवालों से परहेज सुरक्षा से जुड़े गंभीर खतरों और भू-राजनीतिक वास्तविकताओं से बचने की कोशिश जारी रखते हुए, मलिक ने पहले SCO सिविलाइजेशनल डायलॉग फोरम की तारीफ की। उन्होंने कहा कि अलग-अलग मतभेदों के बावजूद, देशों के बीच बातचीत के लिए संस्कृति पर ध्यान देना एक आसान तरीका है। भारत और पाकिस्तान के बीच सभ्यतागत संबंधों के बारे में पूछे जाने पर मलिक ने कहा, मुझे लगता है कि संवाद अलग-अलग इकाइयों के बीच होता है। एक जैसी चीजों के बीच संवाद की जरूरत नहीं होती, वहां तो बस एकतरफा बात (मोनोलॉग) होती है। संवाद विविधता के बारे में है। अगर आप भारत, पाकिस्तान, रूस, चीन और मध्य एशियाई देशों के इतिहास की खुदाई (पुरातात्विक साक्ष्यों) को देखें, तो पाएंगे कि वहां पहले से ही संवाद होता रहा है। मुझे लगता है कि यह एक बहुत ही स्वागत योग्य संवाद है। भारत की जीरो-टॉलरेंस नीति सीमापार से आतंकवाद के मुद्दे पर बात करने से मलिक का इनकार, आतंकवाद के सभी रूपों–जिसमें सीमा पार से होने वाला और राज्य-प्रायोजित आतंकवाद शामिल है–के प्रति भारत की जीरो-टॉलरेंस (सख्त असहिष्णुता) नीति के बिल्कुल विपरीत है। पिछले 12 वर्षों में, भारत ने आतंकवाद से निपटने के लिए एक व्यापक बदलाव किया है। मजबूत किया जा सके।



